15 सर्वनाम तथा सर्वनाम के भेद

पाठ-योजना

पाठ का उद्देश्य

- सर्वनाम शब्दों की पहचान व उसके भेदों को जानना।
- सर्वनाम के भेदों व उपभेदों को समझाना।
- सर्वनाम का एकवचन व बहुवचन में प्रयोग समझाना।

सहायक सामग्री

- स्मार्ट बोर्ड, मोबाइल फ़ोन, पाठ्यपुस्तक, पाठ्यपुस्तक में दिया QR Code, शैक्षिक सामग्री।

पूर्व-ज्ञान

- एक ही वाक्य में संज्ञा शब्दों की पुनरावृत्ति से क्या वाक्य सुनने व देखने, समझने में अच्छे व शुद्ध लगते हैं?
- संज्ञा शब्दों की पुनरावृत्ति से वाक्य अटपटे क्यों लगते हैं?
- क्या वाक्य में संज्ञा के स्थान पर अन्य शब्द वही प्रकार्य (Function) कर सकते हैं?
- क्या संज्ञा शब्दों के अतिरिक्त अन्य शब्दों से वाक्य प्रारंभ हो सकता है?

प्रमुख बिंदु

- प्रश्न पूछकर पाठ की रूपरेखा तैयार करना।
- QR Code स्कैन कर वीडियो दिखाना।
- बताना–
  - वाक्य में, संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दों को 'सर्वनाम' कहते हैं।
  - सर्वनाम शब्दों के मुख्य छह भेद हैं–(क) पुरुषवाचक (ख) निश्चयवाचक (ग) अनिश्चयवाचक (घ) प्रश्नवाचक (ङ) संबंधवाचक तथा (च) निजवाचक।
  - पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद हैं–(क) उत्तम पुरुष (ख) मध्यम पुरुष (ग) अन्य पुरुष।
  - प्रश्नवाचक सर्वनाम में 'प्रश्नवाचक-चिह्न' का प्रयोग अवश्य होता है।
  - निश्चयवाचक सर्वनाम में वस्तु या व्यक्ति निश्चित होता है, जिसकी ओर इशारा किया जा रहा है।
  - अनिश्चयवाचक सर्वनाम में वस्तु या व्यक्ति निश्चित नहीं होता है, जिसकी बात की जा रही है।
  - दो उपवाक्यों को जोड़ने का कार्य करने वाले सर्वनाम 'संबंधवाचक' कहलाते हैं।
  - निजवाचक सर्वनाम के अंतर्गत स्वयं, खुद आदि रूपों का प्रयोग होता है।
  - शुद्ध वाक्य-निर्माण के लिए सर्वनाम व उसके भेदों का ज्ञान आवश्यक है।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।